इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 196

30 नवम्बर, 2015 को उत्तर के लिए

भारतीय इस्पात अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी मिशन

196. श्री प्रताप सिम्हा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार लौह और इस्पात उद्योग में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में अग्रणी बनने के लिए सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की इस्पात कम्पनियों के संबद्ध में भारतीय इस्पात अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी मिशन (एसआरटीएमआई) संबंधी उद्योग की स्थापना को सुकर बना रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और भारत में इसके प्रबंधन और कारोबार के अनुमानित संयुक्त निवेश स्तर का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एसआरटीएमआई अनुसंधान क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क को पूरा करती है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): इस्पात मंत्रालय भारत में लौह एवं इस्पात क्षेत्र में संयुक्त सहयोगपूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं की सुविधा के लिए स्टील रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया (एसआरटीएमआई) नामक उद्योग चालित संस्थागत मेकेनिज्म को सुविधा प्रदान कर रहा है। एसआरटीएमआई की मुख्य विशेषताएं निम्नवत हैं:-

- एसआरटीएमआई एक उद्योग प्रेरित पहल है जिसकी स्थापना एक पंजीकृत सोसाइटी के रूप में हुई है जिसमें इस्पात मंत्रालय एक सुविधादाता है।
- एसआरटीएमआई का संचालन और प्रशासन एक शासी निकाय द्वारा किया जायेगा जिसमें स्टील सीईओ, क्षेत्र के विशेषज्ञ और इस्पात मंत्रालय का एक प्रतिनिधि शामिल होगा।
- एसआरटीएमआई के कार्यपालक कार्य निदेशक, एसआरटीएमआई द्वारा किये जाएंगे जिसे एक उपयुक्त /उचित सहायक संरचना द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।

- भागीदारी कंपनियां एसआरटीएमआई के गठन को सुविधा प्रदान करने के लिए वर्ष 2013-14 के दौरान उत्पादित क्रूड स्टील के प्रतिटन 25 रूपये की दर से अथवा 5 करोड़ रूपये जो भी अधिक है, के प्रारम्भिक प्रवेश शुल्क का भुगतान करेगी।
- एसआरटीएमआई की स्थापना के लिए प्रारम्भिक संचित राशि 200 करोड़ रूपये है जिसमें से 50 प्रतिशत राशि इस्पात मंत्रालय द्वारा और शेष राशि भागीदार इस्पात कंपनियों द्वारा प्रदान की जाएगी।

(ग) और (घ): भारत में अग्रणी इस्पात कंपनियों का आर एण्ड डी निवेश अपने कुल कारोबार के प्रतिशत के मामले में 0.05 से 0.5 प्रतिशत की रेंज में है जबकि वैश्विक अग्रणी इस्पात कंपनियों का यह प्रतिशत 1-1.5 की रेंज में है। कुछ इस्पात कंपनियों ने अपने आर एण्ड डी व्यय को अपने कुल कारोबार के एक प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए अपने आर एण्ड डी मास्टर प्लान भी तैयार किये हैं। एसआरटीएमआई का उद्देश्य भारतीय इस्पात क्षेत्र में आर एण्ड डी निवेश को प्रोत्साहित करना है।

***